

18 मार्च 2024

विशेष रिपोर्ट

ग्वार कॉम्प्लेक्स और कॉटन

मार्च 2024

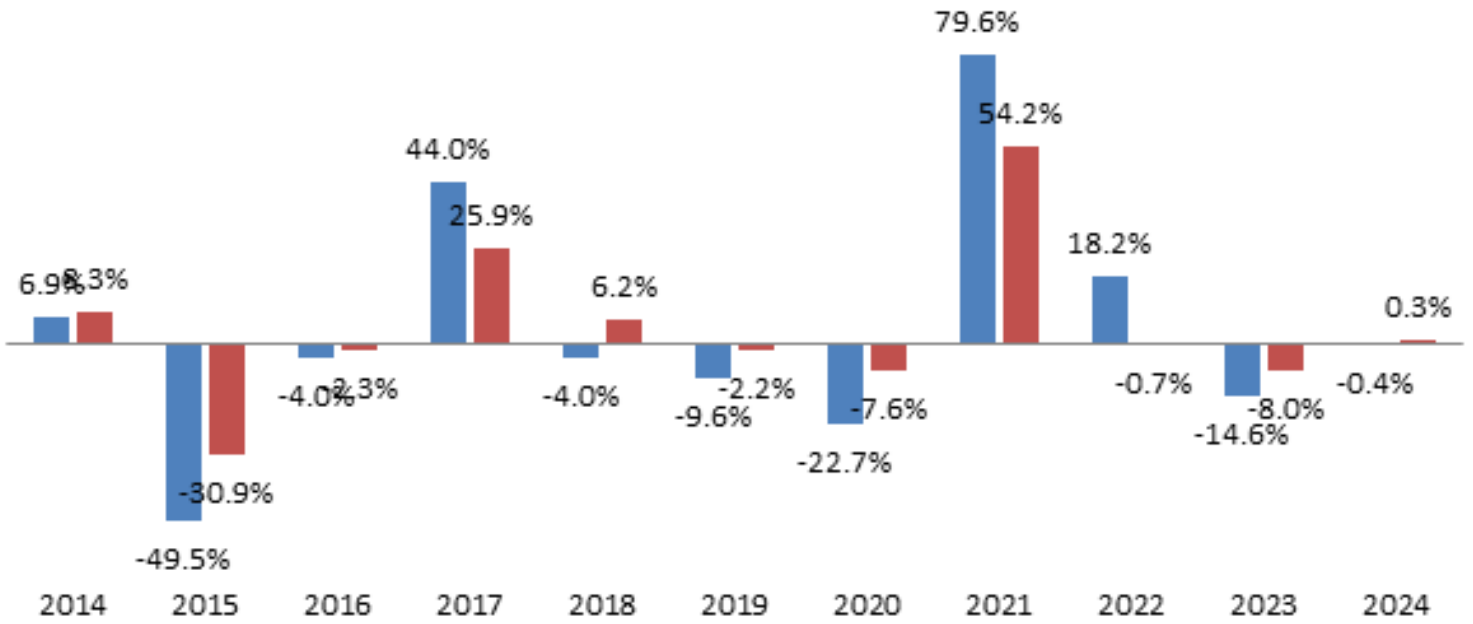


 **smc**
moneywise. be wise.

ग्वार डेरिवेटिव उत्पादों के निर्यात में कमी की खबरों को देखते हुए ग्वारसीड वायदा की कीमतों में गिरावट जारी रही। सुस्त आर्थिक गतिविधियों के साथ ग्वारगम की निर्यात मांग में कमी की चिंता से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा। वर्ष 2023-24 में ग्वारगम का निर्यात कम रहा, जिससे ग्वारसीड की पेराई मांग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। ग्वार मुख्य रूप से अपने व्युत्पन्न उत्पाद ग्वारगम के लिए जाना जाता है जिसका तेल और गैस उद्योग में व्यावसायिक महत्व है। ग्वारसीड की कीमतें पिछले महीने के उच्चतम स्तर 5585 से 7% की मासिक गिरावट के साथ फरवरी-24 में 5182 के निचले स्तर पर आ गईं, जबकि मुख्य रूप से कमजोर निर्यात पूछताछ के कारण ग्वारगम की कीमतों में पिछले महीने के उच्चतम स्तर 10944 से 9% मासिक गिरावट हुई।

वार्षिक बदलाव और ग्वारगम/ग्वारसीड अनुपात

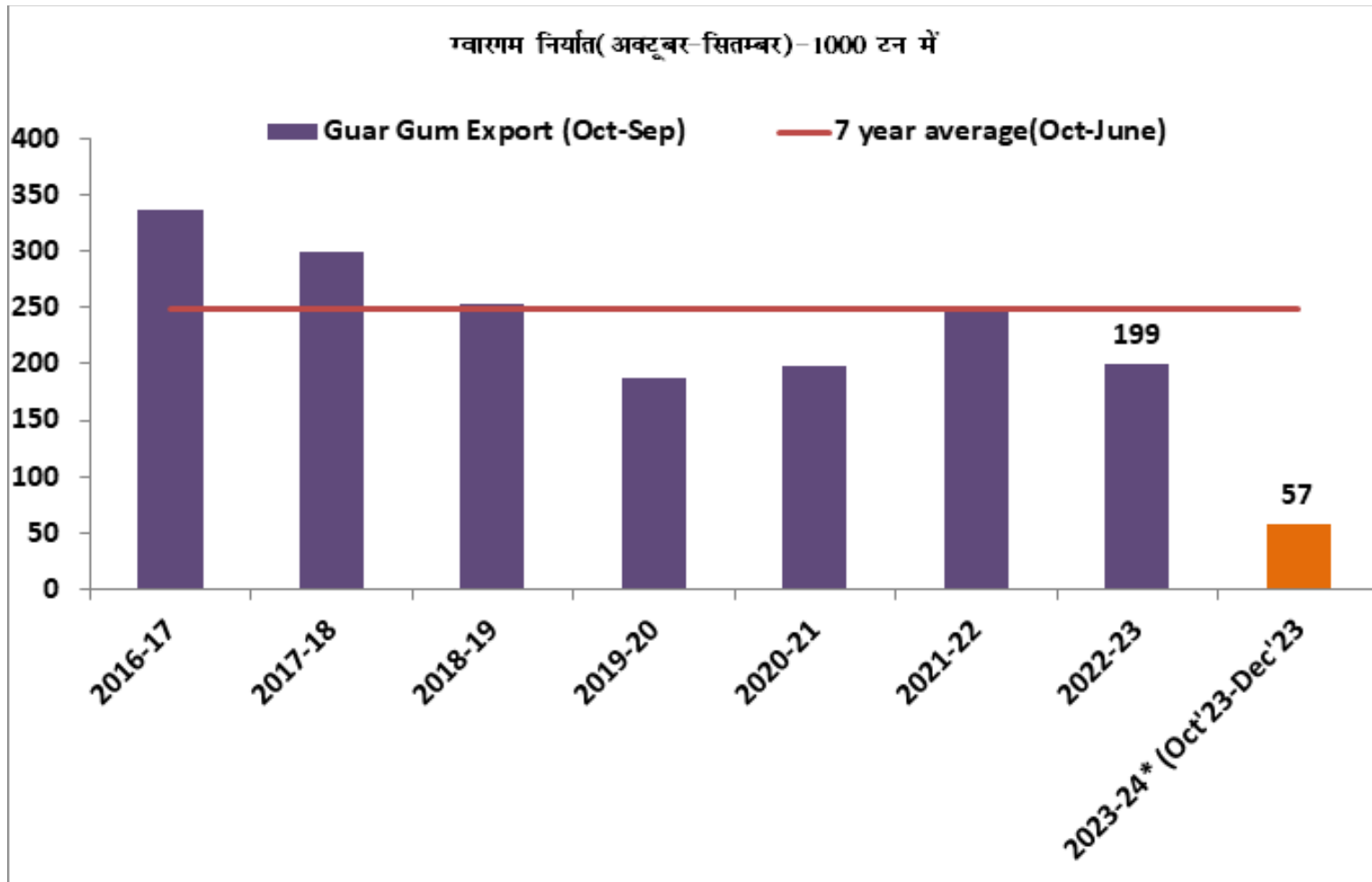
■ ग्वारगम में वार्षिक बदलाव ■ ग्वारसीड में वार्षिक बदलाव



अक्टूबर-23-फरवरी-24 के दौरान एपीएमपी की प्रमुख मंडियों में ग्वारसीड की आवक 2.10 लाख टन रही है, जो साल-दर-साल 8% अधिक है। वर्ष 2023-24 में अब तक उच्च कैरी फॉरवर्ड स्टॉक ने आपूर्ति को अधिक बनाए रखा है। वर्ष 2023-24 में ग्वारसीड का कुल उत्पादन साल-दर-साल 11% -13% घटकर 10.7 लाख टन रह गया है। उत्पादन में इस कमी के परिणामस्वरूप मिल मालिकों के पास भंडार कम हो गया है।

प्रमुख आयातक देशों की मांग में गिरावट के कारण निर्यात सुस्त बना हुआ है। खाद्यान्न का सुस्त निर्यात कीमतों में बड़ी बढ़त की दिशा में बाधा बनने की संभावना है क्योंकि दिसंबर-23 में भारत से ग्वारमील निर्यात में साल-दर-साल 44% की गिरावट हुई, जबकि ग्वारगम का निर्यात दिसंबर-23 में 6% साल-दर-साल गिरकर 19.66 हजार टन हो गया। भारत ने ग्वारमील और ग्वारगम के रूप में कुल लगभग 92.31 हजार टन ग्वार निर्यात किया है, जो कि साल-दर-साल 13% कम है। तेल उद्योग में ग्वारगम के विकल्प के रूप में चिकने पानी और अन्य रसायनों के बढ़ते उपयोग से ग्वारगम का निर्यात भी प्रभावित हुआ है, जिससे हाल के वर्षों में ग्वारगम की मांग में बाधा आई है। बाजार की नजर कच्चे तेल की मांग पर रह सकती है और तेल रिग संख्या में किसी भी वृद्धि से ग्वारगम के समग्र निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

ग्वारसीड



ग्वारसीड की कीमतें 5150-6000 के दायरे में कारोबार कर सकती है, जबकि निकट अवधि में ग्वारगम की कीमतों के 9600-11500 के दायरे में रहने की उम्मीद है।



कॉटन और कपास

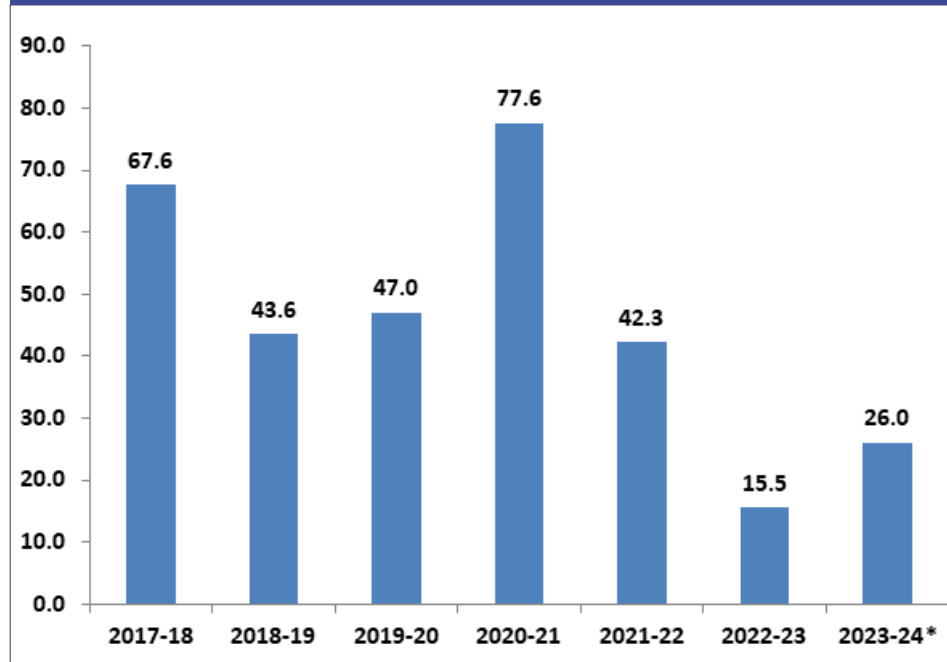
कमजोर उत्पादन अनुमान को देखते हुए फरवरी-24 के अधिकांश भाग में कॉटन की कीमतें अधिक रहीं। कीमतों में बढ़ोतरी हुई जिसका श्रेय बाजार वर्ष 2023-24 में कम उत्पादन की रिपोर्ट को दिया जा सकता है। मिल मालिकों की ओर से आक्रामक खरीदारी और आपूर्ति में कमी के कारण कॉटन और कपास दोनों की कीमतों में तेजी आई। कॉटन 16% की बढ़त के साथ 63500 के मासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि कपास की कीमतें कमजोर मांग के कारण 13% मासिक गिरावट के साथ 1479.5 पर आ गई। कपास कॉटन का कच्चा रूप है और इसे कटाई मिलों द्वारा लिंट (कपास) और बीज में संसाधित किया जाता है। यह सूती कपड़ा उद्योग को बुनियादी कच्चा माल (कपास फाइबर) प्रदान करता है। कटाई मिलों को अपने कटाई मार्जिन में गिरावट के कारण अपनी कटाई इकाइयों को चलाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2023 के अधिकांश भाग में भारतीय निर्यात अव्यवहार्य रहा, जिसका असर बाजार पर भी पड़ा।

कपास की अप्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण स्पिनिंग मिलों ने अपनी उत्पादन क्षमता में कटौती की, जिससे निर्यात संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। नई फसल की बाजार में आपूर्ति बढ़ने के साथ अक्टूबर-23 के बाद कपास की कीमतें कम होने लगीं।

चीन के बाद कपास का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते, भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 24% का योगदान करता है। भारत में कपास का उत्पादन वर्ष 2023-24 में घटकर 294 लाख गांठ होने का अनुमान है। चालू बाजार वर्ष 2023-24 के फंडामेंटल की बात करें तो कटाई का मौसम खत्म होने के कारण आवक कम हो गई है और वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 225.23 लाख गांठ की आवक हुई है। आवक की गति अब तक कम है लेकिन वर्ष 2023-24 में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धीमी होने की संभावना है। कपास का रकबा कम होने के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में कपास उत्पादन में साल-दर-साल 2% की गिरावट आने की संभावना है। बुवाई की प्रगति के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण कपास का रकबा पिछले वर्ष के 129.27 लाख हेक्टेयर की तुलना में वर्ष 2023-24 में घटकर 125.55 लाख हेक्टेयर रह गया।

मांग के मोर्चे पर, भारत कपास का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो वैश्विक खपत के 21% हिस्से का उपयोग करता है और वार्षिक आधार पर घरेलू स्तर पर लगभग 300-320 लाख गांठ की खपत होती है। लेकिन, भारतीय कपास की मांग कम होने से वर्ष 2023-24 में खपत 318 लाख गांठ से घटकर 311 लाख गांठ होने की संभावना है। प्रतिकूल मौसम के कारण नई फसल की गुणवत्ता संबंधी समस्या के बीच कम उपलब्धता के कारण वर्ष 2023-24 में भारत से कपास और सूती धागे का निर्यात धूमिल रहने की संभावना है। घरेलू बाजार में सामान्य आपूर्ति से कम रहने से वर्ष 2024 में कपास की कीमतें महंगी रहेंगी और इससे कुल निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

भारत से कपास का निर्यात (लाख बेल में)



आपूर्ति में कमी के कारण कॉटन और कपास की कीमतों में तेजी के रुझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की उम्मीद है। वर्ष 2023-24 में कपास का अंतिम स्टॉक कई वर्षों के निचले स्तर 20 लाख गांठ तक कम होने की संभावना है, जबकि वर्ष 2022-23 में यह 24 लाख गांठ बताया गया था। वर्ष 2023-24 में उत्पादन में साल-दर-साल 2% की कमी होने का अनुमान है, जो मिल मालिकों को कीमतों में हर गिरावट पर आक्रामक खरीदारी के लिए प्रेरित करेगा। सीबीओटी पर, कीमतें 72-98 डॉलर के दायरे में रहने की संभावना है। कपास की कीमतों में तेजी के रुझान के साथ 1510-1670 रुपये/20 किलोग्राम के दायरे में रहने की उम्मीद है, जबकि कॉटन की कीमतों के 56500-63500 रुपये के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है।

कपास का मासिक चार्ट



वंदना भारती	एवीपी कर्माडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, AWing 401/402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशासनात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का निरूपण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएं और संबंधित सेवाएं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एसएसएससी कॉम्प्लेक्स नेशनल कर्माडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कर्माडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्माडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एगेंसी द्वारा सिन्क्रोरीज मार्केट/कर्माडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एनएच द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्माडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सल्यूशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉन्पोरेंट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बढ़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समग्र-समय पर किसी भी कर्माडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोजीशन हो सकती है और वह इस कर्माडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्माडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।